सफलता की कहानी

किसान का नाम – किरण कुमार महतो
ग्राम – हाथीबिंदा
पंचायत – हाथीबिंदा
प्रखण्ड – पोटका
जिला – पूर्वी सिंहभूम

पोटका प्रखंड के हाथीबिंदा ग्राम के एक मेहनती किसान किरण कुमार महतो मध्यम वर्ग से संबंध रखते हैं। इनके पिताजी श्री जितेन्द्रनाथ महतो खुद खेती बाड़ी करके परिवार का पालन–पोषण करते आये है। किरण कुमार महतो स्नातक तक पढ़ाई किये हैं। कुछेक जमीन में धान की खेती करते थे। मात्र खरीफ मौसम में धान की खेती करके बाकी समय इनका खेत खाली पड़ा रहता था। आय का अन्य स्रोत नहीं होने से मात्र खाने भर खाद्यन्न उपजा लेते। किसी प्रकार जिन्दगी की गाड़ी चल रही थी। प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर कभी आयोजित किसान गोष्ठी, आदि में भाग लेते। खेती का जानकारी लेते कैसे अधिक से अधिक खेती–बाड़ी से कमाया जाए। आत्मा के द्वारा आयोजित प्रशिक्षण आदि में भाग लेकर इन्होंने खेती के बारे में तकनीकी जानकारी हासिल किया।

आत्मा एवं कृषि विभाग के द्वारा कृषक गोष्ठी, प्रक्षेत्र दिवस एवं प्रशिक्षण आदि में भाग लेते हुए आत्मा से जुड़े। आत्मा कृषि विभाग के विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किरण को खाद, बीज, दवा आदि मिलने से खेती में उत्सुक जगी। खरीफ एवं रबी मौसम में धान के अलावे सब्जी जैसे नुनुआ, बरबटी दलहन में अरहर, मुंग, मसूर के अलावे गेहूँ की खेती लगभग 2.50 एकड़ में कर लिये। इन्होंने गेहूँ की खेती Line Sowing विधि से की । आत्मा के द्वारा आयोजित प्रशिक्षण आदि में भाग लेकर इन्होंने खेती के बारे में तकनीकी जानकारी हासिल किया कि कैसे एक–एक दाने को बो कर अधिक उपज प्राप्त किया जा सकता है । आत्मा विभाग से संचालित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना के तहत इन्होंने दलहनी फसल का बीज प्राप्त किया। बीज प्राप्त कर इसने आत्मा के प्रसार कर्मी के मार्गदर्शन में खेती किया । बेहतर उत्पादन करके अच्छा मुनाफा कमाया।

अपने गांव के अन्य 5–6 किसानों को भी लगभग खेती–बाड़ी हेतु प्रोत्साहित करते रहें है। लगभग 07 क्वींटल मुंग का उत्पादन किरण कुमार महतो के द्वारा किया गया है।

किरण कुमार महतो का कहना है किसान अगर अपने ही खेतों में मेहनत करना सीख लें जो बाहर कहीं काम के लिए पलायन नहीं करना पड़ेगा एवं परिवारिक कष्ट झेलना नहीं पड़ेगा। आज जो भी युवा पढ़े–लिखे बेरोजगार है वे कृषि वानिकी को अपना कर अपना और अपने परिवार का आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते है।